पवन कुमार

पेट की आग बुझाने को ब्रज की सूखी नदियों में बहा दी जलधारा

आगरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी में उथली हो चुकी नदियों को मिला नया जीवन

कोरोना काल में प्रवासियों व प्रशासन का भगीरथ प्रयास

नाम तो नदी था मगर, निशान मिट चुका था। दशकों से उपेक्षा से उथली हो गई थी। धारा के नाम पर नाले जैसी बह रही थी। जागरूक जिम्मेदारों की नजरें गई तो नजारा बदलने लगा। राह बनी मनरेगा और 'भागीरथ प्रयास' से साथी बने प्रवासी। मंजिल दूर थी, लेकिन मेहनत से मकसद पूरा होता दिखने लगा और आखिरकार ब्रज क्षेत्र की नदियों में जलधारा बहने लगी। जनजीवन में खुशहाली और खेतों में हरियाली छा गई।

रोटी का था संकट- कोरोना की पहली लहर में दूसरे शहरों से लोग अपने गांवों में लौटे थे। अधिकांश के समक्ष दो वक्त की रोटी का भी संकट था। शासन के निर्देश पर इन्हें रोजगार मुहैया कराने के लिए मनरेगा के तहत जॉब कार्ड बनवाए गए। कोरोना काल में अन्य विकास कार्यों पर पाबंदी थी, लिहाजा सूख चुकी नदियों की खुदाई कराने का निर्णय लिया गया। मैनपुरी में आवंगा, सेंगर व ईशन नदी हो या फिरोजाबाद में सेंगर, व सिरसा आदि नदी या आगरा की उटंगन नदी, मनरेगा के तहत खुदाई होने के बाद सभी को नया जीवन मिल चुका है। इन नदियों में पानी का बहाव होने के बाद तीनों जिलों की सैकड़ों एकड़ भूमि की सिंचाई की व्यवस्था हो चुकी है।

आपदा में नदियों की सौगात- लॉकडाउन में बाहर से लौटे प्रवासी कामगारों के सहारे फिरोजाबाद में मनरेगा से तीन बड़ी नदियों को जीवंत करने का काम हुआ था। इन नदियों में अब गर्मियों में भी पानी भरा रहता है।

108 किमी संवरी सिरसा नदी- सिरसा नदी अलीगढ़ जिले से प्रवेश करके फिरोजाबाद जिले में 108 किलोमीटर का सफर करती है। खुदाई होने के बाद गर्मी में भी इस नदी में भरपूर पानी प्रवाहित होने लगा है। 49 ग्राम पंचायत क्षेत्रों के हजारों किसान इसके पानी से अपनी फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। इसके अलावा सेंगर नदी में भी पानी रहने लगा है। कोरोना काल में ब्रज क्षेत्र में नदियों की खुदाई, चौड़ीकरण, किनारों पर मिट्टी डालने और झाड़ियों का कटान आदि का कार्य किया गया।

शिक्षा सदन इंटर कालेज मेहवड़ कलॉ में स्वच्छता एवं जल संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन

शिक्षा सदन इंटर कॉलेज, मेहवड़ कलॉ में स्वच्छता एवं जल संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र प्रसाद सती, खण्ड विकास अधिकारी एवं डॉ. रमेश चन्द शर्मा, संस्थापक, उत्तराखंड किसान मोर्चा के कर-कमलों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा सरकार ने चलाई जा रही विकास की योजनाओं पर प्रकाश डाला एवं पानी की महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान की। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. एल.एन. ठुकराल ने कार्यशाला में आये सभी प्रतिभागियों को जल संरक्षण के बारे में जानकारी प्रदान कर इसे कैसे बचाया जा सकता है, इसके संबंध में विस्तृत व्याख्यान दिया एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा महिला, पुरूष/बच्चों एवं बड़ों सभी का दायित्व है कि अपने आस-पास सफाई का विशेष ध्यान रखें। डॉ. ओ.पी. दुबे, निदेशक रूड़की कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा स्वच्छता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। डॉ. मुकेश शर्मा ने जल गुणवत्ता एवं प्रदूषण के संबंध में व्याख्यान में जल जनित बीमारियों के बारे में बताया तथा पानी का उपयोग हमें किस तरह से करना चाहिए इसके बारे में बताते हुए पानी में पाये जाने वाले तत्वों के बारे में जानकारी दी। डॉ. रोहित सांबरे द्वारा गांव में तालाबों के संरक्षण विषय पर व्याख्यान दिया गया। श्रीमती चारू पाण्डेय द्वारा "स्वच्छ भारत मिशन एवं उसमें राजसं का योगदान" विषय पर जानकारी प्रदान की गई। श्री राकेश गोयल ने ग्रामीणों द्वारा लाये गये पानी के सैम्पलों का परीक्षण कर उनकी गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्रदान की। विशिष्ट अतिथि

शिक्षा सदन इंटर कॉलेज मेहवड़ कलॉ में स्वच्छता शपथ लेते प्रतिभागी।

डॉ. रमेश चन्द्र शर्मा के कर-कमलों द्वारा स्कूल के परिसर में पौधारोपण भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन मु. फुरकान उल्लाह द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री ललित मोहन सैनी द्वारा की गई। उन्होंने स्वच्छता विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि अपने आस-पास सफाई रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर शिक्षा सदन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश कुमार, हर्ष सैनी, महेन्द्र सैनी, जसवन्त, मांगीराम सैनी, वित्त अधिकारी सूर्यकान्त, पवन कुमार, गुरदीप सिंह दुआ, नरेश कुमार, इत्यादि मौजूद रहे।

''स्वच्छता ही सेवा अभियान'' के तहत आयोजित किए गए कार्यक्रम

जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन नदी विकास तथा गंगा संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की ने दिनांक 16 सितम्बर, 2021 से 2 अक्टूबर, 2021 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये। इसी श्रृंखला में वात्सल्य वाटिका, बहादराबाद में स्कूली बच्चों के लिए दिनांक 29.09.2021 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. एल.एन. ठकुराल, ने बच्चों को स्वच्छ भारत मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की, उन्होंने जल शक्ति अभियान के तहत भारत सरकार द्वारा किये गये प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की तथा बच्चों को दैनिक जीवन में स्वच्छता का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री जयेन्द्र भारद्वाज, विकास खण्ड अधिकारी, बहादराबाद ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सुलेखा सहगल, सी.डी.पी.ओ. बहादराबाद उपस्थित रही। मुख्य अतिथि ने कहा कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत उनके विभाग द्वारा भी ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम आयोजित कर जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के संस्थान द्वारा इस प्रकार के कार्य किया जाना सराहनीय है। विशिष्ट अतिथि श्रीमति सुलेखा सहगल ने बच्चों को स्वच्छता संबंधी सामान्य जानकारी प्रदान की। वैज्ञानिक डॉ. संतोष मुरलीधर पिंगले ने पर्यावरण से संबंधित विषयों पर जानकारी दी। श्री जे.पी. पात्रा द्वारा बच्चों को संस्थान के बारे में जानकारी दी गई तथा स्कूल के प्रबंधक महोदय से बच्चों की राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की विजिट कराने का अनुरोध किया गया। नोडल अधिकारी द्वारा स्कूली बच्चों को स्वच्छता की शपथ भी दिलवाई गई।

स्वच्छता एंव पर्यावरण विषय पर एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें स्कूल के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री पवन कुमार ने किया।

''जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा'' पर कार्यक्रम

''आजादी का अमृत महोत्सव'' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की के जलविज्ञानीय अन्वेषण प्रभाग द्वारा ''जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा (Water Conservation and Water Security)" पर एक कार्यक्रम का आयोजन ग्राम बेलड़ी साल्हापुर रूड़की में किया गया। इस अवसर पर 50 से अधिक ग्रामीण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा हेतु उपलब्ध तकनीकों की जानकारी को ग्रामीणों तक पहुंचाना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुधीर कुमार वरि. वैज्ञानिक एवं प्रभागाध्यक्ष, जलविज्ञानीय अन्वेषण प्रभाग, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पुरूषोत्तम कुमार, प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र, धनौरी थे। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. सोबन सिंह रावत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रभाग के वैज्ञानिक डॉ. संतोष पिंगले ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर भारत सरकार द्वारा आयोजित ''आजादी का अमृत महोत्सव'' अभियान पर प्रकाश डाला और बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जन चेतना पैदा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों को लैब से लैंड तक पहुंचाना जरूरी है ताकि आम आदमी को इसका समुचित लाभ मिल सके। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुधीर कुमार ने संस्थान द्वारा जल के क्षेत्र में चलायी जा रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि दुनिया में उपलब्ध जल की मात्रा में से 1% से भी कम उपयोग योग्य है। अतः इसका न्यायपूर्वक उपयोग करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी को जलाभाव के संकट से ना गुजरना पड़े।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि डॉ. पुरूषोत्तम कुमार ने कहा कि कृषि सबसे ज्यादा जल उपभोग का क्षेत्र है जिसमें अकेले सम्पूर्ण उपभोग जल का 80% से भी अधिक उपयोग होता है। अतः अगर समझदारी से सिंचाई जल का उपयोग किया जाए तो काफी मात्रा में जल की बचत की जा सकती है। इसी बचत का हम अन्य कार्यों में उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जल के सही उपयोग से खेती में प्रयुक्त होने वाले रासायनिक खादों एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का भी प्रभावी तरीके से उपयोग किया

जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा पर ग्राम बेलडी साल्हापुर रुड़की में आयोजित कार्यक्रम।

जा सकता है।

इस अवसर पर प्रभाग के वैज्ञानिक डॉ. सोबन सिंह रावत ने किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी दी जिनका उपयोग कर किसान श्रम के साथ-साथ 40% तक सिंचाई जल की बचत कर सकते हैं। इनके प्रयोग से फसलों की उत्पादकता को भी बढ़ाया जा सकता है।

इस अवसर पर प्रभाग के वैज्ञानिक डॉ. संतोष पिंगले ने नवीनतम सिंचाई तकनीकों के बारें में विस्तृत रूप से बताया। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म सिंचाई पद्धति के उपयोग से सिंचाई जल दक्षता को 90% तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही इनके प्रयोग से उच्च उत्पादन लिया जा सकता है। इस अवसर पर संस्थान के तकनीशियन श्री सत्यप्रकाश द्वारा जल से संबंधित विभिन्न उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही जल की गुणवत्ता की जांच करके भी दिखाया गया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्री ललित एवं गांव के सम्मानित किसान श्री पदम सिंह, श्री ईश्वर सिंह, श्री मुबारिक अली आदि उपस्थित थे।

अंत में डॉ. सोबन सिंह रावत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं किसानों का प्रतिभाग करने एवं अपने विचार रखने के लिए आभार प्रकट किया।

जलवायु परिवर्तन का जल संसाधनों एवं पर्यावरण पर प्रभाव

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की के पर्यावरणीय जलविज्ञान प्रभाग द्वारा ''आजादी का अमृत महोत्सव'' अभियान के अंतर्गत दिनांक 23 सितम्बर 2021 को ''जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा'' पर वासुदेवलाल मैथिल सरस्वती विद्या मंदिर, ब्रह्मपुर, रुड़की में जागरूकता कार्यशाला (Awareness Workshop) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण एवं जल सुरक्षा हेतु उपलब्ध तकनीकों की जानकारी को विद्यार्थियों तक पहुंचाना था।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय प्रभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय जलविज्ञान प्रभाग, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की अध्यक्षता में डॉ. राजेश सिंह एवं डॉ. प्रदीप कुमार द्वारा किया गया। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. राजेश सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं स्कूल प्रांगण में प्रभागाध्यक्ष महोदय और प्रधानाचार्य महोदय द्वारा वृक्षारोपण किया गया। दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना के उपरांत कार्यशाला का आयोजन प्रारम्भ हुआ।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में इ. मुकेश कुमार शर्मा, सहायक अभियंता, ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर भारत सरकार द्वारा आयोजित ''आजादी का अमृत महोत्सव'' अभियान पर प्रकाश डाला और बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जन चेतना पैदा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों को लैब से लैंड तक पहुंचाना जरूरी है ताकि आम आदमी को इसका समुचित लाभ मिल सके। तत्पश्चात कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने संस्थान द्वारा जल के क्षेत्र में चलायी जा रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के जल संसाधनों एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के बारे में भी विस्तार से बताया।

इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार, वैज्ञानिक डी ने जल संरक्षण एवं जल की महत्ता के बारे में अपने विचार बच्चों से साझा किए। उन्होंने जल संरक्षण के विभिन्न उपायों एवं तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश सिंह ने मनुष्य जीवन एवं पर्यावरण के लिए जल की महत्ता पर चर्चा की। उन्होंने जल के प्रदूषकों एवं उससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। तत्पश्चात बच्चों ने जल और जलजनित समस्याओं के बारे में वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की। बच्चों ने जल संरक्षण विषय पर भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रभाग के वैज्ञानिक डॉ. मुकेश कुमार शर्मा ने पीने के जल में उपस्थित प्रदूषकों एवं उससे होने वाली बीमारियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने बच्चों के साथ पीने के पानी के शोधन के लिए उपयोग में लाई जाने वाली तकनीकों के बारे में चर्चा की एवं रिर्वस ओसमोसिस तकनीक के फायदे एवं नुकसान के बारे में भी विस्तार से बताया। संस्थान के सहायक अभियंता ई. मुकेश कुमार शर्मा ने कविता के माध्यम से जल की उपयोगिता एवं महत्व को समझाया। उन्होंने जल को कब और कैसे ग्रहण करना चाहिए यह भी बच्चों के साथ साझा किया। वासुदेवलाल मैथिल सरस्वती विद्या मंदिर, ब्रह्मपुर, रूड़की के प्रधानाचार्य महोदय ने भी जल के महत्व पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर संस्थान के तकनीशियन श्री राकेश गोयल द्वारा जल की गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न उपकरणों का प्रदर्शन किया गया एवं जल की गुणवत्ता की जांच करके भी दिखाया गया।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता पर इ. मुकेश कुमार शर्मा द्वारा शपथ भी दिलाई गयी।

अंत में डॉ. राजेश सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एंव प्रतिभागियों का प्रतिभाग करने एवं अपने विचार रखने के लिए आभार प्रकट किया।

स्वच्छता एंव जल संरक्षण के बारे में किया जागरूक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों द्वारा छात्रों को स्वच्छता एवं जल संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया। बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई गई। वहीं संस्थान की टीम ने स्कूल के प्रांगण में पौधारोपण भी किया।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की द्वारा जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत 23 सितंबर, 2021 को सुभाष गढ़ ज्वालापुर (हरिद्वार) स्थित न्यू लाइट जूनियर हाईस्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर संस्थान के स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. एलएन ठकुराल ने बच्चों को स्वच्छता एवं जल के महत्व के बारे में जानकारी दी। साथ ही बच्चों को अपने आस-पास सफाई रखने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अनुपमा शर्मा ने भूजल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि केवल तीन फीसदी पानी ही पीने योग्य है। यदि हम पानी व्यर्थ में बहाएंगे तो आने वाले दिनों में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने पानी को रिचार्ज करने की तकनीक में बारे में जानकारी दी। कहा कि किसान सबसे ज्यादा पानी का उपयोग करते हैं। उपयोग किए जाने वाले पानी का 65 फीसदी इस्तेमाल कृषि में किया जाता है। डॉ. सोबन सिंह रावत ने कहा कि पानी स्वच्छता, शांति एवं समृद्धि का प्रतीक है। जब हमारा देश आजाद हुआ था, तब प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता 5000 क्यूबिक मीटर थी, जो अब घटकर 2000 क्यूबिक मीटर रह गई है। इसलिए हमें जल संरक्षण पर ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वच्छता एवं जल संरक्षण विषय पर आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता में अमनदीप कौर ने प्रथम, वैष्णवी शर्मा ने द्वितीय और जसमीत कौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि, सांत्वना पुरस्कार सविता, खुशदीप कौर, नेहा शर्मा, अस्मिता, एकता शर्मा, अमन एवं सार्थक को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन पवन कुमार ने किया। कार्यक्रम में स्कूल की प्रधानाचार्य मालती शर्मा, सुरेश कुमार

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की द्वारा सुभाष गढ़, ज्वालापुर (हरिद्वार) में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम।

शर्मा, प्रकाश चंद भार्गव, प्रेमलता, महेश चंद शर्मा, बिमला देवी, सुभाष किचलू, किरण आहूजा, पंकज चौहान, पदम शर्मा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान ने सैफिल्ड स्कूल में बच्चों को जलजनित बीमारियों के बारे में दी जानकारी

(छात्रों के लिए किया गया भाषण प्रतियोगिता का आयोजन, बाबूल प्रथम एवं अलीषा को द्वितीय पुरस्कार)

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों ने स्कूली बच्चों को स्वच्छता और जल संरक्षण का महत्व बताया। साथ ही बच्चों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की ओर से दिनांक 27 सितंबर, 2021 को सिकंदरपुर भैसवाल स्थित सैफिल्ड स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीएसएम इंटर कालेज के प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना के मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञ डॉ. अनिल शर्मा ने कहा कि संस्थान की ओर से चलाए जा रहे जन जागरण के कार्यों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वच्छता ही सेवा का सपना साकार हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. एलएन ठकुराल ने स्वच्छ भारत मिशन के बारे में जानकारी दी। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार लोहनी ने कहा कि पानी को बचाएं, इसे बर्बाद न करें। वैज्ञानिक डॉ. एमके शर्मा ने जलजनित बीमारियों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया। स्वच्छता एवं जल विषय पर हुई भाषण प्रतियोगिता में बाबुल को प्रथम, अलीषा को द्वितीय, दिलशाद को तृतीय और तनिष्क गौड़ एवं सुहानी सिंह को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन पवन कुमार ने किया। इस दौरान प्रधानाचार्य अर्चना गौड़, महाप्रबंधक पीयूष गौड़ डॉ. पीके सिंह, नीरज कुमार भटनागर, नीतिश पाटीदार, प्रदीप कुमार, एसके सत्यार्थी, किरण आहूजा, मीनाक्षी मिश्रा, गुरदीप सिंह दुआ, पंकज चौहान आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता व जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में स्वच्छ भारत मिशन और जल संरक्षण पर कार्यक्रम आयोजित

कॉलेज ऑफ इंनीनियरिंग रूड़की (कोर) में 1 अक्टूबर, 2021 आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया। इस दौरान कर्मचारियों, छात्रों और शिक्षकों के लिए जल संरक्षण पर एक लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एनआईएच), जल शक्ति मंत्रालय और कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रूड़की की पहल पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छ भारत मिशन और जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। एन.आई.एच. के वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने एन.आई.एच. में अनुसंधान और इंटर्नशिप सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। छात्रों को एनआईएच में मौजूद विभिन्न सुविधाओं का दौरा करने और लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डॉ. एल. एन. ठकुराल ने स्वच्छ भारत मिशन और जल संरक्षण के बारे में तथ्यात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने जल सरंक्षण के लिए अपनाए जा सकने वाले विभिन्न तरीकों के बारे में बताया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर मे पौधारोपण भी किया गया। अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मृदुला ने किया। डीन डॉ. डीवी गुप्ता, डॉ. वीके सिंह, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. हिमांशु चौहान, प्रोफेसर सिद्धार्थ जैन, डॉ. आदेश आर्य आदि उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष जेसी जैन ने आयोजन समिति की प्रशंसा की।

प्रकृति के विरूद्ध कार्य करने से गलत परिणाम

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की में मनाया गया संस्थान का 44वां स्थापना दिवस समारोह

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एन. आई.एच.) रुड़की में 16 दिसम्बर, 2021 को संस्थान का 44वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तराखांड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलपति प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी और संस्थान के निदेशक डॉ. जयवीर त्यागी ने दीप जलाकर किया। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि जल हमारा जीवन है। इसलिए इसका संरक्षण और उचित प्रबंधन करना जरूरी है। उन्होंने जल के विभिन्न स्वरुपों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वास्तु की दृष्टि से घर के अंदर पानी का स्थान कहां होना चाहिए, जल के विभिन्न रूपों के बारे में जानकारी प्रदान की तथा वेदों में जल की महत्ता के बारे में विभिन्न श्लोकों के माध्यम से जलविज्ञान के समस्त पहलुओं पर प्रकाश डाला। एन.आई.एच. के निदेशक डॉ. जयवीर त्यागी ने बताया कि 16 दिसंबर 1978 को भारत सरकार की एक सोसाइटी के रूप में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की स्थापना रुड़की में हुई थी। तभी से यह संस्थान जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन के क्षेत्र में विभिन्न पहलुओं पर शोध कार्य कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान में विश्वस्तरीय आधुनिक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान का 44 वाँ स्थापना दिवस समारोह।

उपकरणों से सुसज्जित छह प्रयोगशालाएं हैं। भूजल के क्षेत्र में कार्य करने वाले राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को एक प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए संस्थान में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एडवांस्ड ग्राउंड वाटर रिसर्च स्थापित किया गया है।

उन्होंने बताया कि नदियों को परस्पर जोड़ना, राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जल उपलब्धता एवं बेसिन नियोजन, गंगा बेसिनों पर अध्ययन के अलावा विद्युत, परिवहन, जल प्रबंधन, रक्षा आदि के क्षेत्र में संस्थान अपना योगदान दे रहा है। निदेशक ने बताया कि संस्थान ने गंगा नदी के हेडवाटर में दीर्घकालिक जलवायु अध्ययन के एक भाग के रूप में गंगोत्री ग्लेशियर के स्नाउट के पास एक मौसम वेधशाला और एक निस्सरण मापन स्थल की स्थापना की गई है। इसके साथ ही लद्दाख क्षेत्र में ग्लेशियरों का अध्ययन किया जा रहा है। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वी.सी. गोयल ने संस्थान की 43 वर्षों की गौरवपूर्ण गाथा को चलचित्र के माध्यम से दिखाया। इस अवसर पर वर्ष 2017, 2018 व 2019 के लिए तकनीकी लेखन पुस्तक पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किए गए। ''भारतीय कृषि में कुशल सिंचाई जल प्रबंधन'' पुस्तक के लिए डॉ. अनिल कुमार मिश्र एवं रणबीर सिंह को 50 हजार रुपये एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार ''जल संसाधन समग्र विवेचन'' के लिए डॉ. शोभा अग्रवाल चिलबिल को 30 हजार रुपये एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। साथ ही संस्थान में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान में हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने वाले प्रभाग को चल राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। इस वर्ष यह राजभाषा शील्ड प्रशासनिक कार्यालय को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान की गई जिसको वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री रजनीश कुमार गोयल, श्री पवन कुमार एवं श्रीमती प्रिया गांधी ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पीके सिंह ने किया। समारोह में कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनुपमा शर्मा, डॉ. मनोहर अरोड़ा, योगेंद्र नाथ शर्मा अरूण, डॉ. संजय कुमार जैन, डॉ. अनिल कुमार लोहनी, डॉ. आरपी पाण्डेय, रजनीश कुमार गोयल, सूर्यकांत, पवन कुमार, ओमकार सिंह, राम कुमार, दौलत राम, प्रदीप कुमार उनियाल, प्रिया गांधी आदि उपस्थित रहे।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में वंशिका रही प्रथम

22 नवम्बर, 2021, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों ने स्कालर्स एकेडमी के छात्रों को जल संरक्षण व जल सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस दौरान आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में कक्षा आठ व कक्षा नौ के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

केंद्र सरकार देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ को अमृत महोत्सव के रूप में मना रही है। इसी कड़ी में भारत को जल संसाधन के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार) रूड़की के निदेशक डॉ. जयवीर त्यागी के दिशा-निर्देशन में जल संरक्षण व जल सुरक्षा पर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत हर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 22 नवम्बर, 2021 को हरिद्वार रोड़ स्थित स्कालर्स एकेडमी में संस्थान के जल संसाधन तंत्र प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष वैज्ञानिक डॉ. संजय कमार जैन के निर्देशन में जल संरक्षण व जल सुरक्षा पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में वंशिका सैनी ने प्रथम, निहारिका ने द्वितीय और दक्ष अग्रवाल ने तृतीय व नंदनी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में वैज्ञानिक डॉ. मनोहर अरोड़ा, वैज्ञानिक डॉ. मनीष नेमा व स्कालर्स एकेडमी की प्रधानाचार्य लीना शर्मा शामिल रही।

पेयजल गुणवत्ता व मात्रा पर विशेष जोर

हर घर नल से जल पहुंचाने वाले केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन को रफ्तार पकड़ाने के साथ पानी की गुणवत्ता, पानी की मात्रा और निरंतरता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। 1 अक्टूबर 2021 को माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इसके लिए डिजिटल क्षेत्र में काम करने वाले चुनिंदा स्टार्टअप की मदद ली जा रही है। इससे पानी के स्रोत से लेकर उपभोक्ता तक पहुंचने की पूरी कड़ी की रियल टाइम मानिटरिंग की जा सकेगी। सरकार की पहली प्राथमिकता उन 48 हजार गांवों में शुद्ध पानी की आपूर्ति करने की है, जहां के लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। पानी की गुणवत्ता को लेकर सरकार बहुत गंभीर है। इन्हीं मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने ग्राम पांचायतों और ग्राम जल समितियों के प्रतिनिधियों से सीधी बातचीत की।

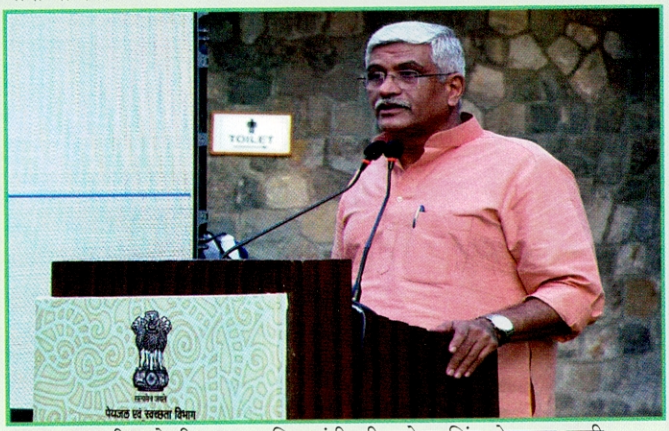

माननीय केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पानी की गुणवत्ता पर विचार व्यक्त करते हुए

श्री शेखावत ने एक अनौपचारिक बातचीत में बताया कि पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए बुनियादी ढांचे के अभाव की समस्या को दूर कर लिया गया है। कोविड-19 की जांच के लिए देश में गिनती की लैब थी, लेकिन कुछ महीनों के भीतर देश में हर जगह ऐसी लैब तैयार कर ली गई हैं। इसी की तर्ज पर पहले जहां जिला स्तर पर पानी की जांच के लिए लैब बनाई जानी थी, बाद में उसे ब्लॉक स्तर पर बनाने की तैयारी कर ली गई। अब उसके लिए हर ग्राम पंचायत की पांच-पांच महिलाओं को पानी की जांच के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। अब तक सात लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण देने के साथ टेस्टिंग किट भी सौंप दी गई हैं।

पानी की गुणवत्ता की जांच को आसान बना दिया गया है। इससे संबंधित एक एप्प तैयार किया गया है, जिस पर सेंट्रलाइज तरीके से सारी जांच रिपोर्ट प्राप्त हो सकेगी।

कोरोना महामारी के बावजूद पिछले दो सालों के भीतर पांच करोड़ से अधिक घरों में नल से जल का कनेक्शन दिया गया है। देश में अब तक 8.26 यानी 43 फीसद ग्रामीण परिवारों को उनके घरों तक नल से जल की आपूर्ति की जा रही है। देश के 78 जिलों, 58 हजार ग्राम पंचायतों और 1.16 लाख गांवों में प्रत्येक घर को नल से जलापूर्ति की सुविधा दे दी गई है।

संपर्क करें:

पवन कुमार

परामर्शदाता जल चेतना

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की।